

2

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पिडावा जिला झालावाड (राज.)

पीठासीन अधिकारी:-दिनेश कुमार मीणा आर.ए.एस.

प्रकरण सं० 258 / 2025

दायर दिनांक: 29.10.2025

उनवान

1. राजस्थान सरकार जयें तहसीलदार तहसील रायपुर जिला झालावाड

प्रार्थी

बनाम

1. दुर्गालाल पि. भेरूलाल जाति दांगी नि. आजमपुर तहसील रायपुर
2. रमेश पि. भेरूलाल जाति दांगी नि. आजमपुर तहसील रायपुर
3. राधेश्याम पि. भेरूलाल जाति दांगी नि. आजमपुर तहसील रायपुर
4. राहुल पि. भेरूलाल जाति दांगी नि. आजमपुर तहसील रायपुर
5. लालचन्द पि. भेरूलाल जाति दांगी नि. आजमपुर तहसील रायपुर
6. लीलाबाई पत्नि. बालचन्द जाति दांगी नि. आजमपुर तहसील रायपुर

अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र धारा 136 एल.आर.एक्ट

उपस्थिति अभिभाषक :-

प्रार्थी : - पैरोकार सरकार

अभिभाषक अप्राथी सं. 2 :- श्री प्रेमचन्द चौधरी

अप्राथी सं. 1, 3 से 6 :- एकतरफा



आदेश

दिनांक : 02.12.2025

संक्षिप्त में प्रकरण इस प्रकार है कि ग्राम आजमपुर तहसील रायपुर जिला झालावाड की आराजी खसरा नं. 1705/568 रकबा 0.0126 है. गैर मुमकिन चाह प्रतिवादी के खाते दर्ज है जिसे आगे वादग्रस्त आराजी के नाम से संबोधित किया गया है। नवीनतम नकल जमाबन्दी संलग्न है। आराजी वर्तमान में प्रतिवादी के नाम गैरखातेदारी में दर्ज है। यह कि उक्त नियमन आदेश में प्रतिवादी सं. 1 से 3 व 5 को तथा प्रतिवादी सं. 4 के पिता व 6 के पति बालचन्द पि. भेरूलाल को गैरखातेदारी में दर्ज करने के आदेश होने के




उपखण्ड अधिकारी
पिडावा, जिला झालावाड (राज.)

चाह नियमन नामा.सं. 750 दिनांक 16.12.2010 से ख.नं. 568 किस्म चरागाह में से प्रतिवादी सं. 1 से 3 व 5 को तथा प्रतिवादी सं. 4 के पिता एवं 6 के पति बालचन्द पि. भेरूलाल को गैर खातेदार दर्ज किया गया। नकल नामा. संलग्न है। यह कि अवंटी बालचन्द पि. भेरूलाल की मृत्यु होने से विरासत नामा.सं. 1325 से प्रतिवादी सं. 4 व 6 को गैरखातेदार दर्ज किया गया। प्रतिवादी को उक्त चाह का नियमन सिंचाई प्रयोजनार्थ ख.नं. 568 किस्म चरागाह से नियमन कर नामा.सं. 750 दिनांक 16.12.2010 द्वारा श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय के आदेश दिनांक 16.12.2010 की पालना में किया गया था। चूंकि राजस्थान भू राजस्व (सिंचाई प्रयोजनार्थ कुयें खोदने एवं पम्प लगाने के लिये भूमि आवंटन) नियम 1979 के नियम 7 उपनियम सं. (1) में यह भूमि पटटे पर दिये जाने के प्रधसावान है न कि गैरखातेदार दर्ज किये जाने के। अतः प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि ग्राम आजमपुर तहसील रायपुर में खाता सं. 436 किता 1 रकबा 0.0126 है. आराजी में अप्रार्थी को गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज करने के आदेश देने की कृपा करें।

2. प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थीगण की तलबी जयें सम्मन की गई। अप्रार्थी सं. 2 की ओर से दिनांक 21.11.2025 को अभिभाषक श्री प्रेमचन्द चौधरी ने उपस्थित होकर वादग्रस्त आराजी में दर्ज गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज करने एवं लीजरेन्ट जमा करवाने हेतु सहमति देकर इन्ही तथ्यों को बहस मानने का निवेदन किया। अप्रार्थी सं. 1 व 3 से 6 के बावजूद सूचना अनुपस्थित रहने से मुताबिक आदेशिका दिनांक 21.11.2025 से उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही की गई।

3. प्रार्थी परोकार सरकार द्वारा प्रार्थना पत्र के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य में पटवारी हल्का आजमपुर की रिपोर्ट, ग्राम आजमपुर की सं. 2077-2080 की खसरा गिरदावरी, ग्राम आजमपुर का नामा.सं. 750 दिनांक 16.12.2010, नामा.सं. 1325 दिनांक 06.06.2022, जमाबंदी सं. 2073-76 के खाता सं. 436, जमाबंदी सं. 2065-68 के खाता सं. 297, खसरा नक्शा दिनांक 24.03.2025 नकल पेश की।


उपखण्ड अधिकारी
पिड़ावा, जिला झालावाड़ (राज०)

4. प्रार्थी पैराकार सरकार एवं अभिभाषक अप्रार्थी सं. 2 की बहस सुनी गई। पैरोकार सरकार ने बहस के दौरान प्रार्थना पत्र में अंकित बिन्दुओं को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम आजमपुर के खाता सं. 436 के ख.नं. 1705/568 रकबा 0.0126 गे.मु. चाह अप्रार्थीगण दुर्गालाल रमेश राधेश्याम राहुल लालचन्द पि. भेरूलाल लीलाबाई पत्नि. बालचन्द जाति दांगी नि. आजमपुर गैर खातेदार के नाम दर्ज रिकार्ड है, जो कि गलत है। अप्रार्थीगण को उक्त वादग्रस्त आराजी सिचाई प्रयोजनार्थ राजस्थान भू राजस्व (सिंचाई प्रयोजनार्थ कुयें खादने एवं पम्प लगाने के लिये भूमि आंवटन) नियम 1979 के नियम 12 (क) के अधीन चरागाह भूमि में अतिक्रमण कर बनाये गये अवैध कुएं को नियमितकरण कर प्रति वर्ष 24/- की लीज रेन्ट जमा कराने की शर्त पर लीज पर दी गई थी परन्तु अप्रार्थीगण द्वारा 10 वर्षों के पश्चात ना तो उक्त लीज दिनांक 16.12.2010 को रिन्यूवल नहीं कराया गया व ना ही नियमित रूप से लीज रेन्ट जमा कराई है। अतः उक्त नियमितकरण के गलत आदेश व पालना से प्रतिवादी को लीजधारक दर्ज करने की बजाय गैर खातेदार दर्ज किया गया जो कि विधिविरुद्ध होने से गैर खातेदार के स्थान पर लीज धारक के रूप में दर्ज करने के आदेश प्रदान किये जावे।



5. पैरोकार सरकार ने आगे तर्क किया कि अप्रार्थी सं. 2 ने दिनांक 21.11.2025 की आदेशिका में गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज करने एवं लीजरेंट की राशि की जमा करवाने हेतु सहमति प्रदान की है। अप्रार्थी सं. 1 व 3 से 6 के बावजूद सूचना नियत तारीख पेशी पर अनुपस्थित रहने से भी प्रथम दृष्टया जाहिर होता है कि अप्रार्थी सं. 1 व 3 से 6 के पास अपने पक्ष में कोई जवाब/साक्ष्य नहीं है।


6. पैराकार सरकार एवं अभिभाषक अप्रार्थी सं. 2 की सहमति बहस के प्रकाश में पत्रावली का अवलोकन किया गया। तहसीलदार द्वारा पेश ग्राम आजमपुर के खाता सं. 214 के ख.नं. 1705/568 रकबा 0.0126 गे.मु. चाह अप्रार्थीगण दुर्गालाल रमेश राधेश्याम राहुल लालचन्द पि. भेरूलाल लीलाबाई पत्नि. बालचन्द

(Signature)
 उपखण्ड अधिकारी
 जयपुर जिले (राज०)

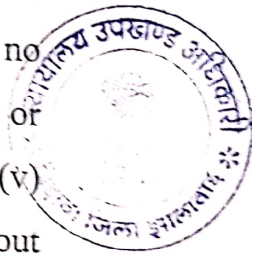
जाति दांगी नि. आजमपुर गैर खातेदार में दर्ज रिकार्ड है। तहसीलदार द्वारा पेश ग्राम आजमपुर के नामा.सं. 750 दिनांक 16.12.2010 के अवलोकन से जाहिर है कि नामान्तरण पंजिका के पैरा सं. 14 व 16 में "चाह नियमन आदेश क्रमांक दिनांक 16.12.2010 श्रीमान उपखण्ड अधिकारी पिडावा के आदेशानुसार नामा. दर्ज किया गया" का अंकन है। अतः जाहिर है कि उपखण्ड अधिकारी पिडावा द्वारा सरकारी भूमि ख.नं. 1705/568 किस्म गे.मु. में से 0-01 बीघा भूमि पर बने चाह का आवंटन नियम 1979 के अधीन नियमन किया गया था। न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पिडावा के नियमन/आवंटन आदेश दिनांक 16.12.2010 अनुसार उपखण्ड अधिकारी पिडावा द्वारा चरागाह भूमि ख.नं. 1705/568 रकबा 0-01 बीघा पर अप्रार्थीगण दुर्गालाल रमेश राधेश्याम राहुल लालचन्द पि. भेरूलाल लीलाबाई पत्नि. बालचन्द जाति दांगी नि. आजमपुर द्वारा खोदे गये एवं कृषि भूमि की सिंचाई हेतु उपयोग में लिए जा रहे अतिक्रमि कुएं को 24/- प्रति वर्ष की लीज रेंट जमा कराने पर गैरखातेदार दर्ज करने के आदेश दिये गये थे।




7. राजस्थान भूराजस्व (सिंचाई प्रयोजनार्थ कुएं खोदने एवं पम्प सेट स्थापित करने हेतु भूमि आवंटन) नियम 1979 के नियम 7 के अनुसार इन नियमों के अधीन भूमि आवंटन/नियमन 8 शर्तों पर किया जाता है। नियम 7 की प्रथम शर्त (i) के अनुसार इस नियम के अधीन भूमि का आवंटन/नियमन लीज पर किया जावेगा और उक्त लीज 10 वर्ष या सिंचाई उद्देश्यों के लिए कुएं या पम्प सेट को उपयोग में लिए जाने का समयावधि में से - जो भी पहले हो- के लिए होगी। अतः उक्त दोनों शर्तों के अनुसार इन नियमों के अधीन भूमि अधिकतम 10 वर्षों के लिए लीज पर लिए जाने का प्रावधान है। उक्त प्रावधानों के अधीन आवंटित/नियमित भूमि को खातेदारी या गैरखातेदारी के रूप में दर्ज किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है। उक्त 10 वर्षों की लीज को समाप्त होने पर प्रार्थी या लीजधारक द्वारा इसे सक्षम अधिकारी से अगले 10 वर्षों के लिए नवीनीकरण कराया जा सकता है। नियम 7 के प्रावधान/शर्तें निम्नानुसार हैं -


 उपखण्ड अधिकारी
 पिडावा, जिला इलाहाबाद (राज.)

Rule 7. Conditions of allotment.- All allotment of land under these rules shall be subject to the following conditions (i) the land shall be given on Lease; (ii) One time lease money, equal to the price at the prevalent rates, recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, or the rates approved by the Inspector General of Stamps under sub-rule (1) or rule 58 of the Rajasthan Stamp Rules, 2004, or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of rule 58 of the Rajasthan Stamp Rules, 2004, Whichever is Higher, shall be charged. (iii) The lease shall be for a period of ten years, or for so long as the lessee uses the well or the pumping set for purpose of irrigation, whichever is less, renewable at the end of twenty years for further similar periods. The State Government may terminate the lease earlier than the period of lease when considered necessary, after giving an opportunity of being heard to the lessee; (iv) the lessee shall have no right to sell, lease or sublet any portion of the land to any person or body of persons without the previous sanction of the Government; (v) the land shall be used only for the purpose for which it has been let out and for such allied purposes as are required for the lifting of water and its supply to the field to be irrigated; (vi) no permanent structure or buildings, except well and pump house shall be erected on the land without the previous sanction of the Government; (vii) The allottee shall have to dig the well or install a pumping set as the case may be within two years of the allotment; (viii) On failure to fulfil any of the terms and conditions of lease, the lease shall be liable to cancellation and the land shall be taken back by the Government and in the event of such resumption, the lessee shall not be entitled to any compensation for any structure etc. that he may have put up.




 उपखण्ड अधिकारी
 पिड़वा, जिला झुजवाड़ (राज०)

8. उपखण्ड अधिकारी/सक्षम अधिकारी द्वारा भूमि के आवंटन/नियमन के बाद उक्त आवंटन नियमों के नियम सं. 8 के अनुसार आवंटन या नियमन की तारीख से 15 दिन के अंदर Form No. A में जिला कलक्टर/तहसीलदार एवं लीजधारक के मध्य लीज डीड निष्पादित कराना आवश्यक था। पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार उभयपक्ष के मध्य आज दिनांक तक ऐसी कोई लीज डीड निष्पादित नहीं होना जाहिर होता है और लीज डीड के अभाव में ऐसे आवंटन/नियमन का नामान्तरण या राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद नहीं किया जा सकता है। उक्त प्रकरण में परोकार सरकार द्वारा तत्कालीन तहसीलदार द्वारा वादग्रस्त आराजी को बिना लीज डीड के और लीज धारक दर्ज करने के बजाय नियम 7 के विरुद्ध टाईपिंग त्रुटीवश गैरखातेदार दर्ज करना स्वीकार किया है।

9. हस्तगत प्रकरण में प्रार्थी परोकार सरकार द्वारा उपखण्ड अधिकारी पिडावा के आदेश दिनांक 16.12.2010 की सक्षम न्यायालय में अपील पेश करने का कोई उल्लेख नहीं किया है बल्कि राजस्व रिकार्ड में तत्कालीन तहसीलदार द्वारा आदेश का अमल दरामद करते समय आवंटी/अतिकमी को लीज धारक दर्ज नहीं करके गलत तरीके से गैरखातेदार दर्ज करने की प्रविष्टि को दुरुस्त कराने के लिए यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एल.आर.एक्ट पेश किया गया है। धारा 136 एल.आर.एक्ट के अधीन राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद के दौरान राजस्व कार्मिकों द्वारा लिपीकीय/टाईपिंग त्रुटी से दर्ज की गई अशुद्धि को दुरुस्त किये जाने के प्रावधान है।



10. उपरोक्त विवेचन व विश्लेषण एवं साक्ष्य के आधार पर ग्राम आजमपुर तहसील रायपुर की आराजी खसरा नं. 1705/568 रकबा 0.0126 है. गैर मुमकिन चाह के संबंध में राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज दुरुस्ती का प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एलआरएक्ट न्यायहित में स्वीकार किये जाने योग्य है।

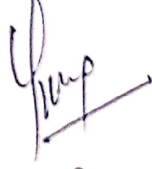

 उपखण्ड अधिकारी
 पिडावा, जिला झारखण्ड (राज०)

-::क्रियात्मक आदेश:-

11. परिणामस्वरूप प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एल.आर.एक्ट बावत दुरस्ती इन्द्राज न्यायहित में स्वीकार किया जाता है। ग्राम आजमपुर तहसील रायपुर की आराजी खसरा नं. 1705/568 रकबा 0.0126 है. गैर मुमकिन चाह में प्रविष्टि को दुरुस्त कर गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज की जावे। लीज अवधि नियमानुसार नवीनीकरण नहीं कराये जाने पर तहसीलदार नियम 7 व 13 के अनुसार कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र है। तहसीलदार रायपुर उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज दुरुस्त करे।

यह निर्णय आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




 (दिनेश कुमार मीणा, आरएएस)
 उपखण्ड अधिकारी, पिडावा
 जिला इन्द्राज, अहिरा
 पिडावा, जिला इन्द्राज (सज०)